लम्पी वायरस की चपेट में आए चार दर्जन पशु, दो की मौत

प्रशासन ने अभी तक ना तो कंट्रोल रूम बनाया ना ही आइसोलेशन वार्ड

नारायणपुर, (निसं)। अब धीरे-धीरे लम्पी वायरस क्षेत्र में पांव पसारने लगा है, उपखंड क्षेत्र में करीब 4 दर्जन पशु संक्रमित मिलने एवं 2 गोवंश की मौत के बाद पशुपालकों में हडकंप मच गया है। पशुपालन विभाग की ओर से इस वायरस को लेकर एतिहात बरतने की गाइड लाइन जारी की गई है लेकिन धरातल पर ये सब बेअसर साबित हो रहे है।

प्रशासन द्वारा अभी तक ना तो कंट्रोल रूम स्थापित किया गया और न संक्रमित गोवंश को रखने के लिए आइसोलेशन वार्ड की व्यवस्था की गई। व्यवस्था के अभाव में रविवार को कस्बे में संक्रमित आवारा सांड दिनभर भूखा प्यासा एक पेड़ के बंधा रहा। जबकि पशुपालन विभाग पूर्व में ही उच्चाधिकारियों को आइसोलेशन वार्ड के लिए पत्र लिख चुका है।

बीमारी के बढ़ते संक्रमण के साथ जनसहयोग का भी अभाव बना हुआ है । इधर वरिष्ठ पशु चिकित्सक रमेश चन्द वर्मा ने बताया कि उपखंड क्षेत्र की 19 ग्राम पंचायतो में 47 सस्पेक्टेड केस हैं। 2 पशु चिकित्सकों की देखरेख में, 8 टीम बनाकर संक्रमित पशुओं की मॉनिटरिंग की जा रही है जबकि अब तक 4609 गोवंशो को टीकाकरण हो चंका है । अगले 2 दिनों में सभी गोवंशों को टीकाकरण कर दिया जायेगा।

- **पशुपालन विभाग ने एतिहात बरतने की गाइडलाइन जारी की**

पेड़ के बंधा लम्पी वायरस से संक्रमित आवारा सांड।

लम्पी रोग से ग्रस्त गौवंश को दवा दी

सादुलपुर, (निसं)। मोक्ष भूमि गौशाला में श्री कृष्ण आराधना के साथ शुरू किये गये अभियान अन्तर्गत रविवार को लम्पी रोग से ग्रस्त समस्त गौवंश को दवा दी गई। स्वर्गीय नंदकिशोर लोहारी वाला परिवार के पंचकूला स्थित यूनिवेन्टिस फाउंडेशन ओर से उक्त दवाओं की व्यवस्था की गई। तथा आइवरमेक्टिन तथा डॉक्सीसाइक्लिन टेबलेट आटे और गुड के लड्डू में डालकर खिलाई गई। मोक्ष भूमि गौशाला के मंत्री विजय सिंह गहलोत की देख-रेख में यह सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर लोहारी वाला परिवार के सदस्य नटवर, वासुदेव, शिव कुमार, गौरव लोहारी वाला के अलावा गौसेवक दुष्यंत शर्मा, राजू मित्तल, गौशाला पशु चिकित्सक ऋषि शर्मा, कौशल, सत्यनारायण, महिला मंडल की ज्योति सरावगी आदि भी उपस्थित थे।

सेकंड ग्रेड के पांच हजार से ज्यादा टीचर्स का तबादला

अधिकांश मनपसंद स्कूल पहुंचे

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग में अकेले ग्रेड सेकंड के पांच हजार से ज्यादा टीचर्स को इधर से उधर कर दिया गया है। वहीं प्रिंसिपल और मंत्रालयिक कर्मचारियों के ट्रांसफर की लंबी चौड़ी लिस्ट भी एक-दो दिन में जारी होने वाली है।

पिछले पंद्रह दिन से जयपुर में शिक्षा निदेशालय, संयुक्त निदेशक कार्यालय और शिक्षा मंत्री कार्यालय की टीम जुटी हुई थी । ट्रांसफर के लिए संयुक्त निदेशक व जिला शिक्षा अधिकारियों से मिले प्रस्तावों को शिक्षा मंत्री कार्यालय में देखा गया। ट्रांसफर्स में अधिकांश को मनपसंद स्कूलों में भेजने का प्रयास हुआ है। वहीं बड़ी संख्या में टीचर्स को शहरी स्कूल से गांव के स्कूल में भी भेजा गया है। ट्रांसफर लिस्ट में डार्क जोन के ट्रांसफर भी है लेकिन वहां से अन्य जिलों में ट्रांसफर कम हुए हैं।

- **ट्रांसफर लिस्ट में डार्क जोन में तो शिक्षक लगाए गए लेकिन वहां से तबादले कम हुए हैं**
- **करीब डेढ़ हजार प्रिंसिपल का ट्रांसफर हो चुका है, लेक्चरर के ट्रांसफर भी हो सकते हैं**

प्रदेशभर के कांग्रेस विधायकों की डिजायर को प्राथमिकता दी गई है। प्रत्येक विधायक को एक संख्या दी गई, उसी संख्या में उसके तबादले मनपसन्द स्थानों पर किए गए । इसी कारण कुछ टीचर्स को शहर से जगह छोड़ गांवों में जाना पड़ा है जिन जिलों में कांग्रेस विधायक नहीं है, वहां कांग्रेस के अन्य नेताओं की डिजायर पर तबादले किए गए हैं।

प्रिंसिपल की एक लिस्ट पहले आ चुकी है लेकिन एक और लिस्ट जारी होने वाली है। उम्मीद की जा रही है कि दूसरी लिस्ट में पांच सौ से ज्यादा टीचर्स को इधर-उधर किया जा रहा है। पहले भी करीब डेढ़ हजार प्रिंसिपल का ट्रांसफर हो चुका है। इसके साथ ही लेक्चरर के ट्रांसफर भी हो सकते हैं।

घर-घर जाकर किया गोवंश का इलाज

अब तक हजारों पशुओं का इलाज परिषद करवा चुकी है

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ नागरिक परिषद के सौजन्य से चल रहे गोवंश के इलाज हेतु आज नोडल अधिकारी हूणताराम मीणा के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने तहसील के ग्राम लुछ, सांगासर व रतनगढ़ के बाहरी वार्ड में निराश्रित आवारा अति गंभीर बीमार गोवंश का इलाज किया।

चिकित्सक टीम के साथ रतनगढ़ नागरिक परिषद के मुख्य प्रतिनिधि मुरारीलाल शर्मा, एडवोकेट रजनीकांत सोनी व ओम सारस्वत साथ रहे। परिषद के शर्मा ने बताया कि अब तक हजारों पशुओं का इलाज परिषद करवा चुकी है। 2 अगस्त को क्षेत्र में बीमारी के प्रवेश के साथ ही परिषद ने 4 अगस्त से चिकित्सा की टीम गौ धन इलाज के लिए तैयार कर दी थी। जिसे अनेकों पशुपालकों व आवारा पशुओं को समय पर इलाज होने से लाभ हुआ।

- **नागरिक परिषद ने चिकित्सकों की टीम तैयार की जिससे पशुओं को समय पर उपाचर मिला**

संक्रमित पशुओं का उपचार करती डॉक्टर टीम।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने सोलर पैनल लगा 5.64 करोड़ की बचत की

फुलेरा, (निसं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण की जानकारी के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक विजय शर्मा के दिशा-निर्देशों पर उत्तर पश्चिम रेलवे प्रशासन प्रदूषण रहित तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दायित्व के प्रयासों को गति प्रदान कर पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को बढाने के साथ-साथ राजस्व की भी बचत कर रहा है। रेलवे पर अब तक कुल 7.128 एमडब्लूपी क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किये गये है। इन सौलर पैनल के स्थापित होने से रेलवे पर प्रतिवर्ष 94 लाख से अधिक यूनिट की ऊर्जा की बचत करते हुए करीब 5.64 करोड रूपये के राजस्व की बचत होगी।

हरित ऊर्जा की पहल के अन्तर्गत उत्तर पश्चिम रेलवे के 115 स्टेशनों, 238 समपार फाटकों और 20 कार्यालय भवनों पर 7.128 एमडब्लूपी क्षमता के सौर ऊर्जा पैनल उपलब्ध करवाये जा चुके हैं। इसके साथ ही इस वित्त वर्ष में 20 स्टेशनों पर लगभग 1.67 करोड रूपये की लागत से 200 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किये जाने का प्रावधान है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक स्टेशन पर 10 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल लगाये जायेंगे। ताकि बिजली आपूर्ति न होने पर भी स्टेशनों पर लाइट की सुविधा हमेशा उपलब्ध हो सके। एलईडी फिटिंग्स उत्सर्जित प्रकाश की प्रति यूनिट (लुमेन) कम बिजली की खपत करते हैं। यह बिजली संयत्रों से ग्रीन हाउस उत्सर्जन को कम करता है तथा एलईडी के लिये कार्बन डाई-ऑक्सीजन उत्सर्जन भी कम है। उत्तर पश्चिम रेलवे के 572 स्टेशनों तथा 963 सर्विस बिल्डिग्स में 100 एलईडी फिटिंग लगाई गई है।

उत्तर पश्चिम रेलवे पर लगभग 236452 एलईडी लाइट फिटिंग लगाई गई है। जिसके परिणाम स्वरूप 103 लाख यूनिट बिजली तथा 9 करोड़ रूपये के राजस्व की बचत प्रतिवर्ष होती है। इसके अतिरिक्त उत्तर पश्चिम रेलवे के 28 स्टेशनों पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था के लिये एयरपोर्ट के मानक स्तर पर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध करवाई गई है।

ड्रग्स, हथियार व नकली नोट के साथ युवक गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की प्रतापनगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए शनिवार रात तस्कर को गिरफ्तार कर महंगी बिकने वाली एमडीएमए ड्रग्स 330 ग्राम, दो रिवाल्वर, 70 जिंदा कारतूस व 20,000 रूपए के जाली नोट बरामद कर युवक को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा गठित टीम शनिवार शाम को गश्त करते हुए ठोकर चौराहे के पास पहुंचे तो जयराम कॉलोनी में पुलिस वाहन व जाब्ते को देख एक लडका जिसके हाथ में कपडे की थैली लेकर आता हुआ दिखा और पुलिस को देख थैली को शरीर की आड में छिपाते हुए पीछे मुड़कर भागने लगा। पुलिस जाब्ते द्वारा उसका पीछा किया गया तो वह कुछ ही दूरी पर खडी एक सफेद कलर की स्कॉर्पियो गाडी की फाटक खोल बैठने लगा।

पुलिस जाब्ते द्वारा पूछताछ में उसने अपना नाम दिपेश कुमार पिता नाथुलाल पाटीदार निवासी गांव कुलमीपुरा थाना धमोतर जिला प्रतापगढ हॉल निवासी जयराम कॉलोनी ठोकर होना बताया। युवक की संदिग्ध हरकतों के कारण उसकी तथा उसकी स्कॉर्पियो कार की तलाशी ली तो थैली में 330 ग्राम अवैध एमडीएमए व स्कॉर्पियो गाडी की तलाशी लेने पर गाडी में दो पिस्टल, दो रिवॉल्वर, 70 कारतुस व 20000 रुपये के जाली नोट मिले जिन्हे जब्त कर पुलिस ने अभियुक्त दिपेश कुमार को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ कर उसके साथ अवैध कार्य में संलिप्त अपराधियों की पहचान कर रही है।

- **दो रिवॉल्वर, 70 जिंदा कारतूस व बीस हजार रू.के जाली नोट भी मिले**
- **उदयपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई**

सुराणा घटना ने जिले में जातिवाद का बीज बोने के साथ आपसी सौहार्द कम किया?

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में सुराणा प्रकरण में अबोध बालक इंद्र कुमार की मृत्यु हुयी। जिसकी जांच विचाराधीन है और लगभग सत्य सबके सामने आ चुका है। तथा आरोपी छैलसिंह को सजा देना न्यायपालिका तय करेगी लेकिन इस घटना ने एक अकेले इंद्र मेघवाल की मौत नहीं हुयी, इंद्र के साथ - साथ आरोपी छैल सिंह का परिवार की भी स्थिति दयनीय हो गई। वही जिले में इस घटना ने जातिगत बीज बो दिया। जिससे समाप्त करने में समय लगेगा।

सुराणा घटना मारपीट करने को लेकर दो पहलू सामने आने पर यह पुलिस जांच के विषय है। तथा एसआईटी की टीम उक्त प्रकरण का पूर्ण अनुसंधान कर आरोप पत्र किन तथ्यों के आधार पेश करेगी। उसके बाद ही उक्त घटना का वास्तविक खुलासा होगा।

इंद्र की मौत पर लोग, परिवार, नेता, विधायक, एक्टिविस्ट, जातिगत सेना, संगठन रोटियां सेक रहे हैं तथा जिले का सौहार्द बिगाड रहे है और

आरोपी छैल सिंह का आवासीय घर।

आरोपी छैल सिंह जिसकी पारिवारिक आर्थिक स्थिति कोई इंद्र के परिवार से बढ़िया नहीं है।

सुराणा घटना में इंद्र के पिता ने अपने बच्चे को खोया तो इस घटना ने छैलसिंह के परिवार की रोजी रोटी छिन ली। छैलसिंह के जेल जाने के बाद उसके वृद्व मां बाप ने अपना पुत्र व दो नन्हें बच्चों ने अपने बाप का प्यार खोया। मात्र वोट बैंक खिसक जाने और पार्टी में मिले पद चले जाने के डर सच के साथ खड़े होने में लोग कतराते है, बोलने से डरते है । किसी ने सच ही कहा है कि सच जब तक अपने जूते पहनता है। तब तक झूठ पूरी दुनियां का चक्कर लगा के आ जाता है। छैलसिंह के वृद्व पिता बीमार रहने के साथ उसकी पति तो सहमी नजर आ रही है। इन्द्र के पिता पर भी जातिगत संगठन का दबाव होने से वे भी खुलकर सामने नही आ रहे हैं। सुराणा की घटना ने जिले में जातिय बीज बोने के साथ आपसी सौहार्द को भी कम करने का काम किया है।

ओडिशा के राज्यपाल ने किए बालाजी के दर्शन

राज्यपाल का समिति अध्यक्ष यशोदानन्दन पुजारी ने स्वागत किया।

सुजानगढ़, (नि.स.) ओडिशा के राज्यपाल गणेशीलाल ने सालासर बालाजी के धोक लगाई। राज्यपाल ने बालाजी के दर्शन कर देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की। राज्यपाल के सालासर आगमन पर हनुमान सेवा समिति अध्यक्ष यशोदानंदन पुजारी, कमल पुजारी, राजाराम पुजारी, प्रकाश पुजारी सहित पुजारी परिवार के सदस्यों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

ऑनलाइन एग्जाम के कम्प्यूटर हैक, रिमोट से करते ऑपरेट, 7 गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान में हो रहे कॉम्पिटिशन एग्जाम में नकल के मामले बढ़ ते जा रहे हैं। पटवारी, रीट और कॉन्स्टेबल के बाद अब डिस्कॉम के टेक्निकल असिस्टेंट में नकल का खुलासा हुआ है। यह एग्जाम ऑनलाइन था। इसके बाद भी माफिया ने सेंधमारी कर दी। पूरे सिस्टम को हैक कर लिया और नकल करवाई गई। एटीएस ने इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम का अभी तक खुलासा नहीं किया है।

प्रदेश के अलग-अलग जिलों में टेक्निकल असिस्टेंट के 1512 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई थी। इससे पहलें ऊए अपने स्पेशल ऑपरेशन के लिए काम कर रही थी। एटीएस के आईजी विकास कुमार ने बताया कि साइबर वर्ल्ड में होने वाली गतिविधियों पर पुलिस की पैनी नजर रहती है। इस दौरान एटीएस की टीम को यह भनक लगी कि ऑनलाइन एग्जाम वाले सिस्टम को हैक किया गया है और उन्हें रिमोट पर लिया गया है। पता चला कि जो कम्प्यूटर हैक किए जा रहे हैं, वहां बिजली विभाग की टेक्निकल असिस्टेंट की परीक्षा होने वाली है।

सूचना मिली कि बीकानेर में एक सेंटर पर सिस्टम को हैक किया गया है। एटीएस और एसओजी ने मिलकर डिस्कॉम के अधिकारियों को इसके बारे में बताया। टीम बनाकर बीकानेर समेत अलवर, कोटा आदि शहरों के सेंटरों पर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में संदिग्ध कैंडिडेट और एग्जाम कॉर्डिनेटर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। टीम ने दो लैपटॉप भी बरामद किए हैं।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि हाईटेक तरीके से नकल कराने का मामला सामने आने के बाद कार्रवाई की गई है। सामने आया कि इस गिरोह में एग्जाम सेंटर पर ड्यूटी लगाने वाले कुछ कर्मचारियों की भी मिलीभगत है। जब कैंडिडेट एग्जाम देने बैठता तो वह यह बहाना बना देता कि सिस्टम काम नहीं कर रहा है। इसके बाद शुरू होता है पूरा खेल। गिरोह के लोग पहले से मिलीभगत कर एग्जाम में काम आने वाले सिस्टम में रिमोट सॉफ्टवेयर डाउनलोड कर देते थे।

एसओजी के एडीजी अशोक राठौड़ ने बताया कि जयपुर, बीकानेर, अजमेर, अलवर व कोटा सहित कई शहरों में नकल गिरोह सक्रिय था। एक टीम बनाकर कई लोगों को हिरासत में लिया गया है, जो आगे की पड़ताल कर रहे हैं। इसमें जिन सेंटर पर एग्जाम हो रहे थे, वहां के कर्मचारियों और अधिकारी भी संदिग्ध हैं। इन्हें भी हिरासत में लिया गया है। टीम अभी पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने नकल करने वालों को हिरासत में लेते हुए कुछ कैश भी बरामद किया है। अलवर से करीब तीन लाख रुपए बरामद करने की सूचना है, जबकि बीकानेर से तीन लोगों से पूछताछ हुई है। किसी की गिरफ्तारी के बारे में अब तक नहीं बताया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि राजस्थान के कई जिलों में इस परीक्षा से जुड़ी धांधली सामने आ सकती है। प्रत्येक कैंडिडेट से छह लाख रुपए लिए गए थे। फिलहाल ये पता किया जा रहा है कि नकल कब से हो रही है और किस किस परीक्षा में किन कैंडिडेट को नकल करवाई गई है।

जल जीवन मिशन की हकीकत जानी

चूरू, (कासं)। चूरू जिले में चल रहे जल जीवन मिशन के कार्यों की ग्राम स्तर पर क्रियान्वित की प्रगति की जांच हेतु केंद्र सरकार की ओर से एक्सपर्ट टीम ने ग्राम स्तर पर गांव बरडादास रायपुरिया व धीरासर चारणान में भ्रमण कर सरपंच ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति और ग्रामीणों से रूबरू होकर ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे कार्य की वास्तविकता के बारे में जानकारी प्राप्त की अधीक्षण अभियंता रामदेव पारीक ने बताया कि टीम के एक्सपर्ट देवेंद्र सिंह बाजवा व एसपी सेठी ने टीम के द्वारा ग्राम कार्य योजना ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की नियमित बैठक बैंक खाता अंशदान जल गुणवत्ता की जांच तथा पेयजल सप्लाई के लिए किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया इस दौरान अधीक्षण अभियंता रामदेव पारीक अधिशासी अभियंता कैलाश चंद्र पूनिया अधिशासी अभियंता तारानगर रामनिवास रेगर अधिशासी अभियंता बनवारी लाल लखेसर सहायक अभियंता मेजर अली खान सहायक अभियंता दिक्षा कटारिया विकास कुमार एचआरडी कंसलटेंट राजू राम शर्मा प्रोजेक्ट मैनेजर दुर्गेश विनोद कुमारी वाणी संस्था के दुलीचंद जांगिड़ विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

दस हजार रुपये की रिश्वत लेते हैड कांस्टेबल और दलाल ट्रेप

सवाईमाधोपुर व करौली एसीबी पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

गंगापुर सिटी, (निसं) । पीलोदा थाने में हैड कानि जगदीश राजावत व उसके दलाल राजू लाल शर्मा को पुलिस ने 10० हजार रूपए की रिश्वत की राशि के साथ मौके से गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस उपाधीक्षक अमर सिंह ने बताया कि एसीबी की सवाईमाधोपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत की गई कि उसके विरूद्ध दर्ज मुकदमे में मदद करने की एवज में अनुसंधान अधिकारी जगदीश हैड कानि पुलिस थाना पिलोदा जिला सवाईमाधोपुर व उसके दलाल राजू लाल शर्मा के माध्यम से 20० हजार रूपए रिश्वत राशि की मांग कर रहा है। जिस पर एसीबी सवाईमाधोपुर के एएसपी सुरेन्द्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया।

एएसपी के अवकाश पर होने की वजह से उच्चाधिकारियों के निर्देश पर करौली एसीबी इकाई के पुलिस उपाधीक्षक अमर सिंह एव उनकी टीम ने ट्रेप की कार्रवाही को अंजाम देते हुए जगदीश सिंह पुत्र समन्दर सिंह निवासी जाहिरा थाना बामनवास हालवासी हैड कानि थाना पिलोदा व उसके दलाल राजू लाल शर्मा पुत्र रामगोपाल निवासी सैवाला थाना पीलोदा के माध्यम से परिवादी से 10० हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

परिवादी मोहन लाल ने 26 अगस्त को एक लिखित रिपोर्ट पेश की कि मेरे व मेरे परिजन के खिलाफ पुलिस थाना पीलोदा पर मुकदमा दर्ज हुआ जिसमें जगदीश सिंह हड कानि०मदन करने की एवज में 20० हजार रूपए की मांग कर रहे है तथा मेरे पिताजी पर दबाब बना रहे हैं। एसीबी सवाईमधोपुर द्वारा रिश्वत मांगने का सत्यापन करवाया गया तो आरोपी जगदीश सिंह ने आरोपी दलाल के घर पहुंच परिवादी के माता पिता से 20० हजार रूपये की मांग की एवं परिवादी के पिता के निवेदन पर दो तीन हजार रूपए कम कर दिए। परिवादी के पिता की तबीयत खराब होने के कारण परिवादी को गांव में ही छोडा।

परिवादीगण से आरोपी दलाल राजू लाल शर्मा प्राईवेट व्यक्ति ने रिश्वत मांग सत्यापन के पश्चात शाम को घर जाकर 5 हजार रूपये ले लिए तथा 10० हजार रूपये 27 अगस्त शनिवार को शाम तक देने के लिए कहा, मामला रिश्वत राशि पाया जाने के कारण शनिवार को रात हो जाने पर रविवार को स्वतंत्र गवाहन की उपस्थिति में ट्रेप कार्यवाही की गई जिसमें आरोपी दलाल राजू लाल शर्मा ने परिवादीगण को अपने घर गांव सेवाला में बुलाकर आरोपी जगदीश सिंह हैड कानि० के लिए 10० हजार रूपए की रिश्वत राशि ली ।

राशि लेते हुए रंगो हाथो पकडे जाने पर दलाल ने उक्त राशि जगदीश हैड साहव के लिए लेना बताया। एसीबी टीम ने दलाल के द्वारा आरोपी हैड कानि० के मोबाइल पर कॉल करवाया तो हैड कानि० ने आरोपी दलाल को गंगापुर सिटी बुलाया जिस पर मय ट्रेप पार्टी व परिवादी मय दलाल एवं स्वतंत्र गवाहन द्वारा आरोपी दलाल से रिश्वत राशि 10० हजार रूपए प्राप्त कर आरोपी हैड कानि० को मोटर साईकिल से जाते हुए को रोककर पकडा एवं सरकारी वाहन में बिठाकर थाना पीलौदा ला कर हाथ धुलाई की व रिश्वत राशि बरामद की।

- **परिवादी से मुकदमे में राहत देने के नाम पर मांग रहा था 20 हजार की रिश्वत**